राज्यपाल सचिवालय, बिहार

(जन–सम्पर्क शाखा)

राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**prrajbhavan@gmail.com**
मो॰–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

केन्द्र एवं राज्य सरकार ने कृषि–विकास के लिए कई प्रभावकारी कदम उठाये–राज्यपाल

पटना, 16 जुलाई 2018

''केन्द्र एवं राज्य सरकार ने किसानों के हित में कई प्रभावकारी कदम उठाये हैं। केन्द्र ने धान समेत 14 फसलों के न्यूतम समर्थन मूल्य (M.S.P.) में 200 रूपये से लेकर 1800 रूपये प्रति क्वींटल तक की बम्पर बढ़ोत्तरी की है। 2018–19 की खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को लागत का डेढ़ गुना या उससे भी ज्यादा बढ़ाने का निर्णय लिया है तथा बिहार सरकार ने भी 'तीसरे कृषि रोड मैप (2017–2022) के सफल कार्यान्वयन के जरिये राज्य में कृषि–विकास के प्रयासों को गति दी है।'' –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक ने पटना जिलान्तर्गत खुसरूपुर प्रखंड के अधीन ग्राम–चौरा में आयोजित 'किसान परिचर्चा एवं स्वागत समारोह' को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि स्वतंत्रता–प्राप्ति के बाद निरन्तर किसानों की माली हालत कमजोर होती चली गई, किन्तु हाल के दिनों में किसानों के हित में लिए गये कई महत्त्वपूर्ण निर्णयों की बदौलत किसान अब राहत महसूस कर रहे हैं।

राज्यपाल श्री मलिक ने कहा कि मौजूदा केन्द्र सरकार ने न्यूनतम–समर्थन–मूल्य को लागत का डेढ़ गुना निर्धारित करने का जो निर्णय लिया है, उस विषय में भाजपा 'घोषणा पत्र' तैयार करने हेतु गठित कृषि–मुद्दों से जुड़ी उपसमिति के अध्यक्ष के नाते मैंने पूर्व में अनुशंसा की थी। 'स्वामीनाथन कमिटी' के सुझावों के आलोक में हमारे मंतव्यों को आज जब केन्द्र सरकार ने कार्यान्वित कर दिया है, तो हमें बहुत खुशी हो रही है।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार में जल, उपजाऊ जमीन, मेहनती किसान–मजदूर –सबकी पर्याप्तता है। राज्य सरकार ने भी 'तीसरे कृषि रोड मैप' के जरिये 5 वर्षों (2017–2022) की अवधि में जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए 'इनपुट अनुदान' की व्यवस्था, 'जैविक कॉरिडोर' की स्थापना, फलों, साग–सब्जियों के संग्रहण, प्रसंस्करण एवं विपणन, दूध, मछली एवं अंडा–उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने की पहल, हरित–आवरण को 17 प्रतिशत तक पहुँचाने जैसे कई महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित कर, कृषि–विकास को गति प्रदान करने का प्रयास किया है। राज्यपाल ने कहा कि राज्य में कृषि–विकास की भरपूर संभावनाएँ हैं एवं इन्हें देखते हुए यह कहा जा सकता है कि 'दूसरी हरित क्रांति' सर्वाधिक रूप में बिहार में ही प्रतिफलित होगी।

लगातार....पृष्ठ...2 पर

राज्यपाल ने कहा कि आज भारतीय कृषि–क्षेत्र चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों में वैज्ञानिक समझ की कमी तथा आधारभूत–संरचना, आधुनिक उपकरणों आदि के साथ–साथ बाजार–केन्द्रित रणनीति के अभाव के कारण, कृषि–विकास को पर्याप्त गति नहीं मिल पा रही है। राज्यपाल ने कहा कि नीति–निर्धारकों एवं वैज्ञानिकों को भारत की अर्थव्यवस्था के मेरूदंड किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण हेतु हरसंभव प्रयत्न करने चाहिए। श्री मलिक ने कहा कि उदारीकरण एवं विश्व व्यापारीकरण के दौर में हमारे किसानों को विकसित राष्ट्रों के किसानों के साथ प्रतिस्पर्धा में खड़ा होना होगा।

राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि कृषि केन्द्रित योजनाओं के सफल होने पर गाँव के लोगों, विशेषकर किसानों की क्रय–क्षमता बढ़ेगी, जो अंततः देश की आर्थिक समृद्धि बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि बड़ी–बड़ी हवेलियों, महलों, इमारतों और बैंक–बैलेंस से आज इंसान की तकदीर नहीं सँवरती, इंसान का भविष्य तालीम की ताकत से सँवरता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के विकास के लिए राज्य में तेजी से प्रयास हो रहे हैं। प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के विकास के लिए सुयोग्य शिक्षकों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 'कम्बाइंड इंट्रेस टेस्ट' के जरिये बी॰एड॰ कोर्स के लिए चयनित अभ्यर्थी युवा शिक्षक बनकर स्कूलों में बेहतर शिक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के विकास हेतु भी एकेडमिक और परीक्षा कैलेण्डर लागू किया गया है। जनवरी 2019 तक पूर्वलंबित सभी परीक्षाओं को संपन्न करा लिया जायेगा। आधुनिक सी॰बी॰सी॰एस॰ पाठ्यक्रम भी लागू किया गया है। बायोमैट्रिक हाजिरी एवं सी॰सी॰टी॰वी॰ कैमरे की व्यवस्था हो रही है। सभी कॉलेजों में गर्ल्स कॉमन रूम एवं वाशरूम बन रहे हैं। इनके बगैर नये कॉलेजों को निबंधन ही नहीं प्रदान किया जाएगा।

राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार ने 'शराबबंदी' एवं 'दहेज–उन्मूलन' के लिए जो सामाजिक सुधार का अभियान चलाया है, उसके सकारात्मक प्रभाव समाज पर पड़े हैं।

कार्यक्रम में बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के कुलपति डॉ॰ रामेश्वर सिंह, विधायक श्री रणविजय सिंह, से॰नि॰ कर्नल आर॰एस॰ नेहरा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में बिहार जाट सभा के प्रान्तीय अध्यक्ष श्री शिवप्रताप सिंह ने स्वागत–भाषण किया। समारोह में स्मृति चिह्न, एवं अंगवस्त्रम् भेंट कर महामहिम राज्यपाल का हार्दिक अभिनंदन भी किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय जाट महासभा के राष्ट्रीय महासचिव श्री युद्धवीर सिंह, श्री निरंजन सिंह एवं श्री प्रभानंद राय आदि भी उपस्थित थे।

……………………………………………